चेतावनी जीतू पटवारी का मोहन सरकार पर सीधा हमला, लाठीचार्ज का हिसाब लेने की चेतावनी

शहडोल में कांग्रेस का जन आक्रोश विस्फोट

नवभारत, शहडोल। मुख्यमंत्री के 8 फरवरी के शहडोल प्रवास के दौरान कांग्रेसियों द्वारा काले झंडे दिखाने की घटना को लेकर प्रदेश की राजनीति तेज हो गई है। इस मामले में पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के दौरान एक नाबालिग के पकड़े जाने पर कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने हैं।

जहाँ एक ओर भाजपा के स्थानीय नेता से लेकर दिग्गज नेता तक कांग्रेस द्वारा बच्चों को आगे कर उनके भविष्य से खिलवाड़ करते हुए राजनीति की जा रही है वहीं दूसरी ओर जिले की सियासत शुक्रवार को उस समय गरमा गई जब जीतू पटवारी ने शहडोल में आयोजित जन आक्रोश रैली में भाजपा सरकार और स्थानीय प्रशासन पर तीखे हमले किए। यह रैली मुख्य रूप से मोहन यादव सरकार के खिलाफबढ़ते अन्याय, प्रशासनिक दमन और बुनियादी समस्याओं को लेकर निकाली गई थी। रैली को संबोधित करते हुए पटवारी ने आरोप लगाया कि स्वच्छ पेयजल की मांग करने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर कलेक्टर द्वारा लाठीचार्ज कराया गया। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा, स्वच्छ पानी मांगने पर हमारे साथियों पर लाठियां चलवाई गईं। इन एक-एक लाठी का हिसाब हम जरूर लेंगे।

पटवारी ने यह भी कहा कि यदि कलेक्टर रैली स्थल पर मौजूद होते तो कार्यकर्ताओं का गुस्सा फूट सकता था, लेकिन कांग्रेस ने लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से संघर्ष का रास्ता चुना है। उन्होंने दूषित पेयजल और प्रशासन की कथित लापरवाही, बोर्ड परीक्षा के दौरान बच्चों की परेशानी, युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी, किसानों की अनसुनी समस्याएं, अवैध रेत खनन, प्रशासन की तानाशाही कार्यशैली से आम जनता त्रस्त हो चुकी है।

मध्य प्रदेश बन गया कर्ज की राजधानी

पटवारी ने भाजपा सरकार पर राज्य को कर्ज की राजधानी बनाने, ऐतिहासिक संपत्तियों को सस्ते में बेचने और जनविरोधी नीतियां लागू करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, मोहन सरकार के बढ़ते अन्याय और अत्याचार के खिलाफजनता सड़कों पर है। यह लड़ाई न्याय के लिए निर्णायक होगी।रैली में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि 8 फरवरी को मुख्यमंत्री मोहन यादव के शहडोल दौरे के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन पर कथित लाठीचार्ज हुआ था, जिसके विरोध में यह जन आक्रोश रैली आयोजित की गई। प्रदेश कांग्रेस ने इसे जनता की आवाज करार देते हुए आगे भी आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है। हालांकि, प्रशासन की ओर से अभी तक इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। शहडोल की सियासत में यह रैली आने वाले दिनों में नए राजनीतिक समीकरण तय कर सकती है।

अवैध कोयला खनन पर प्रशासन की सख्त कार्यवाही

▶ 12 टन कोयला जब्त, चार खदाननुमा गड्ढे पाटे गए

नवभारत, शहडोल। जिले में अवैध खनन के खिलाफप्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देश पर खनिज, पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम केशवाही स्थित मरखी माता मंदिर के पीछे संचालित अवैध कोयला उत्खनन पर छापामार कार्रवाई की। प्राप्त शिकायत के आधार पर मौके पर पहुंची टीम ने अवैध खनन के लिए खोदे गए गड्ढों को जेसीबी मशीन से तत्काल भरवाया। क्षेत्र में बने चार खदाननुमा गड्ढों को मिट्टी और पत्थरों से पूरी तरह पाट दिया गया, जिससे अवैध गतिविधियों पर तत्काल रोक लगाई गई।

जिला खनिज अधिकारी राहुल शान्डिल्य ने बताया कि जांच के दौरान स्थल के समीप भारी मात्रा में कोयले का अवैध भंडारण और एक वाटर पंप लावारिस हालत में पाया गया। कार्रवाई के दौरान मौके से तीन ट्रॉली में भरा लगभग 12 टन कोयला जब्त किया गया। जब्त कोयले को ट्रैक्टर से परिवहन कर थाना चौकी केशवाही में पुलिस अभिरक्षा में सुरक्षित रखवाया गया है।इस संयुक्त अभियान में नायब तहसीलदार मनोज शुक्ला, चौकी प्रभारी गंगा मार्को तथा खनिज निरीक्षक अभिषेक पाटले की प्रमुख भूमिका रही।प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोषियों के विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी तथा भविष्य में भी इस प्रकार की संयुक्त कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष को मुख्यमंत्री के काफिले को झण्डा दिखाने के मामले में नोटिस

▶ नाबालिक की गिरफ्तारी पर समिति ने कांग्रेस अध्यक्ष से 3 दिन में मांगी रिपोर्ट

नवभारत, शहडोल । मध्य प्रदेश के शहडोल में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के धनपुरी वाटर पार्क लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान एक 17 वर्षीय नाबालिक छात्र की गिरफ्तारी ने बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। समाचार पत्रों के अनुसार, नाबालिक छात्र कक्षा 12 का विद्यार्थी है और अगले दिन परीक्षा देने वाला था।घटना 10 फरवरी 2026 दोपहर को हुई, जब मुख्यमंत्री का काफिला गोपालपुर तिराहे से लालपुर हवाई अड्डा की ओर जा रहा था। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने काले झंडे दिखाने की कोशिश की। पुलिस के पास पूर्व सूचना नहीं होने के कारण कुछ समय के लिए अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। इस प्रदर्शन में शामिल 40 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया, जिनमें नाबालिक भी शामिल था। रात 10 बजे नाबालिक समेत 03 लोगों को बुढार जेल भेज दिया गया। जेल में निरुद्ध होने के कारण नाबालिक छात्र अपनी कक्षा 12 की परीक्षा से वंचित रह गया। किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 की धारा 30 और 83(2) के तहत यह मामला स्वप्रेरणा संज्ञान में लिया गया है। समिति ने संबंधित दल को नोटिस जारी कर कांग्रेस जिलाध्यक्ष से 03 दिनों के भीतर अपना पक्ष और सुरक्षा योजना प्रस्तुत करने के लिए नोटिस जारी किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि नाबालिकों को ऐसे विरोध प्रदर्शन में शामिल करना उनके अधिकारों का उल्लंघन माना जा सकता है और सुरक्षा दृष्टि से गंभीर मामला है।

सिंगल यूज्ड पॉलीथिन पर रोक सिर्फ कागजों में, प्लास्टिक कचरे के ढ़ेर में तब्दील शहर

▶ सफाई के नाम पर जलाकर किया जा रहा निपटान

नवभारत, शहडोल । शहर में सिंगल यूज्ड प्लास्टिक और पॉलीथिन पर प्रतिबंध केवल सरकारी आदेशों तक सीमित नजर आ रहा है। जमीनी हकीकत यह है कि बाजारों से लेकर मोहल्लों तक हर जगह पॉलीथिन खुलेआम बेची और इस्तेमाल की जा रही है। प्रशासन की ढिलाई के कारण नगर प्लास्टिक कचरे का अड्डा बन चुका है।नगर के प्रमुख बाजारों, सब्जी मंडियों और रिहायशी इलाकों में फैले कचरे का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा सिंगल यूज्ड प्लास्टिक और पॉलीथिन का है। नालियां जाम हैं, खाली प्लॉट कचरे से पटे पड़े हैं और सड़कों के किनारे प्लास्टिक के ढेर आम दृश्य बन चुके हैं। यह स्थिति तब है जब केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा सिंगल यूज्ड प्लास्टिक पर प्रतिबंध की घोषणा की जा चुकी है।

सफाई के नाम पर खानापूर्ति

सबसे गंभीर बात यह है कि कचरा उठाने के बजाय नगरपालिका कर्मचारी कई स्थानों पर कचरे के ढेर में आग लगाकर उसका निपटान कर रहे हैं। इससे उठने वाला जहरीला धुआं वातावरण को प्रदूषित कर रहा है और आसपास के लोगों के स्वास्थ्य पर सीधा असर डाल रहा है। प्लास्टिक जलाने से निकलने वाली विषैली गैसें श्वसन संबंधी बीमारियों को बढ़ावा दे रही हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी मौन हैं।स्थानीय लोगों का आरोप है कि नियमित कचरा संग्रहण की व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी है। डोर-टू-डोर कलेक्शन की गाड़ियां कई वार्डों में समय पर नहीं पहुंचतीं। परिणामस्वरूप लोग मजबूरन कचरा खुले में फेंक रहे हैं, जहां से पॉलीथिन उड़कर नालियों और खेतों तक पहुंच रही है।

मवेशियों के लिए बन रही मौत

सड़कों और कूड़े के ढेरों में भोजन तलाशते मवेशी बड़ी मात्रा में पॉलीथिन निगल रहे हैं। पशु चिकित्सकों के अनुसार, कई मामलों में मवेशियों के पेट से ऑपरेशन के दौरान किलो-किलो प्लास्टिक निकाला गया है। पॉलीथिन उनके पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचा रही है और कई पशु असमय मौत का शिकार हो रहे हैं। यह न केवल अमानवीय स्थिति है बल्कि पर्यावरणीय अपराध भी है।

पर्यावरण और स्वास्थ्य पर गहराता संकट

प्रशासन की ओर से समय-समय पर छापेमारी और जुर्माने की बातें जरूर कही जाती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर न तो सख्ती दिखती है और न ही जागरूकता अभियान। दुकानदार खुलेआम प्रतिबंधित पॉलीथिन दे रहे हैं और ग्राहक भी बिना हिचक उसे स्वीकार कर रहे हैं। सवाल यह है कि जब प्रतिबंध लागू है तो बाजार में पॉलीथिन आ कहां से रही है? विशेषज्ञों का मानना है कि यदि तत्काल प्रभाव से सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो आने वाले समय में शहर गंभीर पर्यावरणीय संकट का सामना करेगा। प्लास्टिक कचरे से मिट्टी की उर्वरता प्रभावित हो रही है, भूजल प्रदूषित हो रहा है और वायु गुणवत्ता लगातार गिर रही है। जरूरत है कि नगरपालिका तत्काल प्रभाव से सिंगल यूज्ड प्लास्टिक के निर्माण, भंडारण और बिक्री पर सख्ती से रोक लगाए। नियमित कचरा संग्रहण सुनिश्चित किया जाए और प्लास्टिक कचरे के वैज्ञानिक निपटान की व्यवस्था की जाए। साथ ही, नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई हो।यदि प्रशासन ने अब भी आंखें मूंदी रखीं तो शहर प्लास्टिक के दलदल में पूरी तरह डूब जाएगा कृ और इसकी कीमत आने वाली पीढ़ियों को चुकानी पड़ेगी।

चूंदी नदी के किनारे सिद्ध बाबा आश्रम में महाशिवरात्रि महोत्सव

▶ कथा एवं भंडारे का आयोजन

नवभारत, जयसिंहनगर । चूंदी नदी के पास स्थित सिद्ध बाबा आश्रम में 15 फरवरी 2026 को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर नगरवासियों के लिए विशेष धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर एक दिवसीय शिव महापुराण कथा का आयोजन किया गया है, जिसमें भक्तजन भगवान शिव की महिमा और उनके अद्भुत लीलाओं का श्रवण कर पुण्य लाभ प्राप्त कर सकते हैं। कथा के बाद दोपहर 12:00 बजे

विशाल भंडारा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें नगर के समस्त श्रद्धालु मिलकर प्रसाद ग्रहण करेंगे। आयोजकों ने बताया कि भंडारे में शामिल होकर भक्तजन न केवल पुण्य लाभ अर्जित करेंगे, बल्कि सामूहिक भक्ति और भाईचारे का अनुभव भी कर सकेंगे।

इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजक दिनेश कुमार गुप्ता (अर्जेंटीन) ने सभी नगरवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में मंदिर प्रांगण में पहुंचकर इस धार्मिक आयोजन का लाभ अवश्य लें। उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि का यह पर्व शिव भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, जब वे भगवान शिव की भक्ति में लीन होकर जीवन के सभी कष्टों से मुक्ति प्राप्त कर सकते हैं।आयोजकों का कहना है कि इस भव्य आयोजन में सभी आयु वर्ग के श्रद्धालु भाग ले सकते हैं और परिवार सहित आने से यह अनुभव और भी आनंदमय बनेगा। आश्रम परिसर में विशेष व्यवस्था की गई है ताकि सभी भक्तजन सुखपूर्वक कथा श्रवण और भंडारे का आनंद ले सकें।नगरवासियों के लिए यह अवसर न केवल धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामुदायिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवित रखने का भी प्रतीक है।

मच्छरों को रोकने फॉगिंग मशीन से छोड़ा जा रहा धुआं

▶ नगर निगम द्वारा चलाया जा रहा अभियान

नवभारत, कटनी। नगर निगम द्वारा मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम और जन स्वास्थ्य सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुए निर्धारित कार्ययोजना के तहत शहर के वार्डों में विशेष फॉगिंग अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान निगम की टीम ने राजीव गांधी वार्ड और पंडित दीनदयाल उपाध्याय वार्डों के प्रमुख मार्गों, आवासीय क्षेत्रों, नालियों एवं संवेदनशील स्थलों पर फॉगिंग कर मच्छरों पर प्रभावी नियंत्रण के प्रयास किए। नगर निगम के अनुसार बदलते मौसम और मच्छरों की बढ़ती सक्रियता पर अंकुश लगाने के

उद्धेश्य से यह कार्य नियमित कार्यक्रम के तहत लगातार जारी है। स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि फॉगिंग के साथ-साथ स्रोत नियंत्रण पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिसमें जलभराव वाले स्थानों की पहचान कर आवश्यक निराकरण की कार्रवाई की जा रही है। शहरवासियों साफ-सफाई रखने के लिए कहा जा रहा है।

रीठी क्षेत्र के बोर्ड परीक्षा केन्द्रों में नकल कराने का आरोप, कार्रवाई की मांग

▶ पढ़ाई नाम मात्र की होती है, परीक्षा परिणाम आता है सौ फीसदी

नवभारत, कटनी। जनपद शिक्षा केंद्र, रीठी के शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल नेगवा और बड़गांव जैसे क्षेत्रों में यह स्थिति किसी से छिपी नहीं है। यहां कमजोर विद्यार्थियों को जानबूझकर प्रवेश दिया जाता है, क्योंकि ऐसे विद्यार्थी पढ़ाई नहीं, बल्कि नकल के सहारे परीक्षा पास करने की उम्मीद रखते हैं। परीक्षा केंद्रों पर जो केन्द्राध्यक्ष नियुक्त किए जाते हैं, वे भी जिले से ही ऐसे व्यक्तियों को बनवाए जाते हैं जो इन संस्थानों के अनुकूल कार्य करें। यही कारण है कि नकल का यह खेल बेखौफ और निर्बाध वर्षों से चल रहा है। सबसे गंभीर सवाल

जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग की भूमिका पर उठता है। वर्षों से यह सब हो रहा है बावजूद इसके जिम्मेदार अधिकारी उदासीन रवैया अपनाए हुए। मानो मूक दर्शक की भूमिका में सीमित रह गए हैं। नेगवा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इसका बड़ा उदाहरण है, जहां कई वर्षों से एक भी नियमित शिक्षक की नियुक्ति नहीं हुई है। पूरा विद्यालय अतिथि शिक्षकों के भरोसे संचालित है। ऐसे में वहां का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत या अत्यधिक अच्छा आता है, तो यह स्वाभाविक नहीं, बल्कि संदेहास्पद प्रतीत होता है। आदिवासी अंचलों के कुछ स्कूलों की स्थिति और भी चिंताजनक है, जहां पढ़ाई नाम मात्र की होती है, लेकिन परीक्षा परिणाम सौ प्रतिशत दिखा दिए जाते हैं।

यह सीधे-सीधे नकल और परीक्षा में अनियमितताओं का प्रत्यक्ष प्रमाण है। सवाल यह है कि क्या प्रशासन और विभाग को यह सब दिखाई नहीं देता, या फिर जानबूझकर आंखें बंद कर ली है। रीठी तहसील के कुछ हाई स्कूल और कॉलेज नकल के ठेकेदार बन गए हैं।

अभियान गांव-गांव घूमकर किसान रथ दे रहा किसानों को उन्नत कृषि यंत्रों की जानकारी

खेत में फैले भूसा और सूखी घास को एकत्र कर गठरी बना देता है आधुनिक कृषि यंत्र

नवभारत, कटनी। कृषक कल्याण वर्ष 2026 समृद्ध किसान-समृद्ध मध्यप्रदेश अभियान के अंतर्गत कलेक्टर आशीष तिवारी के निर्देश पर कृषि विभाग का किसान रथ विकासखंड विजयराघवगढ़ के ग्राम तिमुआ, गैरतलाई और जरा रोड क्षेत्र में पहुंचकर किसानों को उन्नत कृषि यंत्रों की जानकारी दे रहा है। कृषि अभियांत्रिकी विभाग के उपयंत्री संदीप पीपाड़ा ने आधुनिक कृषि यंत्र बेलर की उपयोगिता के संबंध में बताया कि बेलर खेत में फैले फसल अवशेष जैसे भूसा, पुआल और सूखी घास को एकत्र कर दबाकर गठरी बनाता है, जिससे उनका भंडारण और परिवहन आसान हो जाता है।

उन्होंने बताया कि बेलर चलाने से पूर्व खेत में रैक यंत्र चलाया जाता है, जो अवशेषों से कंकड़-पत्थर अलग कर पुआल को सुखाकर एक लाइन में कर देता है। इसके बाद ट्रैक्टर के पीटीओ से संचालित बेलर द्वारा पिक-अप यूनिट फसल अवशेषों को बेल चेंबर में पहुंचाती है, जहां प्लंजर दबाकर निश्चित आकार की बेल तैयार करता है, जिसे नॉटिंग सिस्टम बांध देता है। उपयंत्री ने बताया कि बेलर दो प्रकार के होते हैं स्क्वायर बेलर और राउंड बेलर। स्क्वायर बेलर में अत्यधिक दबाव से 20 से 35 किलोग्राम वजन की कठोर गठरी बनती है, जिसमें हवा का संचार कम होने से नमी रहने पर सड़न या फफूंद का खतरा रहता है। यह छोटे खेतों के लिए उपयुक्त है। वहीं राउंड बेलर निरंतर प्रक्रिया में कार्य करता है, जिससे 300 से 600 किलोग्राम वजन की गोल बेल बनती है। इसमें अवशेष परत-दर-परत लिपटते हैं, जिससे हवा का संचार बना रहता है और नमी धीरे-धीरे निकल जाती है। यह बड़े खेतों और नमी वाले अवशेषों के लिए अधिक उपयोगी है। उन्होंने बताया कि बेलर के उपयोग से खेत से फसल अवशेष हट जाते हैं, जिससे पराली जलाने की आवश्यकता नहीं पड़ती और पर्यावरण संरक्षण होता है। मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है, मित्र कीट सुरक्षित रहते हैं, जिससे उत्पादन में वृद्धि होती है। साथ ही किसानों को बताया गया कि बेलर से बने बंडलों को गौशाला, डेयरी फार्म, ईंट भट्टा और बायो-एनर्जी प्लांट में बेचकर अतिरिक्त आय अर्जित की जा सकती है।

किसान अपने ट्रैक्टर-बेलर से अन्य किसानों के खेतों में कार्य कर प्रति एकड़ शुल्क लेकर भी अच्छा लाभ कमा सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान उपयंत्री संदीप पीपाड़ा द्वारा कृषि विभाग की अन्य योजनाओं की जानकारी भी किसानों को दी गई।